मूल्य : एक प्रति ₹ 0.50 वार्षिक ₹ 5.00

नेशनल बुक ट्रस्ट संवाद

वर्ष 18, अंक 8 अगस्त 2013

अंदर के पृष्ठों में . . . . . ➤

दिल्ली कैंट में पुस्तक प्रदर्शनी	2
'आज के भारत में पुस्तक एवं पठन' विषय पर प्रो. आंद्रे बेतीए का व्याख्यान	3
हरियाणा समकालीन कला प्रदर्शनी में एनबीटी	3
गुजरात में पुस्तक प्रदर्शनियाँ	3
तेहरान अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला	4
एनबीटी के आगामी पुस्तक मेले	4
नई दिल्ली में 'द फ्यूचर ऑफ इंडियन एग्रीकल्चर' पुस्तक का उपराष्ट्रपति द्वारा लोकार्पण	5
इंडोनेशियाई संसदीय प्रतिनिधिमंडल का एनबीटी दौरा	5
पुस्तक परिचय	6
मंदसौर में सचल पुस्तक प्रदर्शनी	7
मुरैना जिला, मध्य प्रदेश में शिक्षा शिविर का आयोजन	7
ने.बु. ट्रस्ट का नया प्रतीक चिह्न	8
चिट्ठीघर	8

नवीनतम प्रकाशन

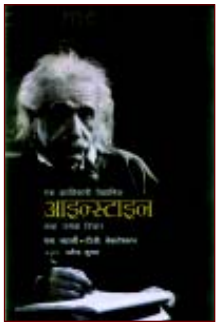

एक क्रांतिकारी वैज्ञानिक
आइन्स्टाइन तथा उसके विचार
एस. चटर्जी, टी.वी. वेंकटेश्वरन
अनु. : धर्मेन्द्र कुमार
पृ. 88 ₹ 70
ISBN 978-81-237-6853-3

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया का 56वाँ स्थापना दिवस समारोह

एनबीटी के नए प्रतीक चिह्न का अनावरण

मानव संसाधन विकास मंत्री माननीय डॉ. एम.एम. पल्लम राजू का एनबीटी स्थापना दिवस समारोह में उद्बोधन

1 अगस्त, 2013 को नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के 56वें स्थापना दिवस समारोह के एक भाग के रूप में, केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री, माननीय डॉ. एम.एम. पल्लम राजू ने वसंत कुंज, नई दिल्ली स्थित ट्रस्ट-मुख्यालय, नेहरू भवन में एनबीटी के नए 'लोगो' का अनावरण किया; साथ ही, ट्रस्ट-भवन में नवसृजित बाल पुस्तकालय का भी उद्घाटन किया।

डॉ. पल्लम राजू ने अपने उद्घाटन-संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद द्वारा निर्मित ट्रस्ट का नया लोगो (प्रतीक चिह्न) आज के बदल रहे परिवेश और पर्यावरण के अनुकूल है। पुस्तक और पठन पर चर्चा करते हुए उन्होंने पुस्तकों के डिजीटलीकरण एवं सभी संभव रूपों में साहित्य और सूचना को बढ़ावा देने पर जोर दिया; साथ ही कहा कि पुस्तक एवं पठन आदत के प्रोन्नयन के उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु एनबीटी को समस्त संभव सरकारी संसाधनों का उपयोग करना चाहिए।

नेहरू भवन (ट्रस्ट-मुख्यालय) के पुस्तक विक्रय केंद्र के अवलोकन के क्रम में उन्होंने उत्तर-पूर्व को भारत के अन्य भागों से जोड़ने हेतु पुस्तक को माध्यम बनाने पर जोर दिया। इस हेतु उन्होंने उत्तर-पूर्व पर और अधिक पुस्तकों के प्रकाशन का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि एनबीटी और नेशनल बाल भवन बच्चों में पठन-आदत के प्रोन्नयन हेतु मिलकर काम करें।

एनबीटी के नए लोगो का अनावरण

इससे पूर्व, एनबीटी के अध्यक्ष, श्री ए. सेतुमाधवन ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि ट्रस्ट के नए लोगो का उद्देश्य देश के अंदर और बाहर एनबीटी की पुनर्खोज एवं प्रतिस्थापन है, जो वैश्विक वातावरण में परिवर्तन के मद्देनजर अपरिहार्य ही है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय डिजाइन

संस्थान, अहमदाबाद के सीनियर डिजाइनर प्रो. तरुणदीप गिरधर भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि यह नया लोगो आनंद और प्रसन्नता का महोत्सव मनाने के लिए एक नए भाव, एक नए अभिप्राय के साथ है और बहुत सरल भी है।

इस अवसर पर ट्रस्ट-अध्यक्ष श्री ए. सेतुमाधवन ने कहा कि एनबीटी का 56वाँ स्थापना दिवस मनाना हमारे लिए एक यादगार पल है। इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित पुस्तिका 'टर्निंग पेजेज : ऐन एक्जीबिशन ऑफ माइलस्टोन्स ऑफ नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया' मंत्री महोदय को भेंट की।

कार्यक्रम में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्चतर शिक्षा विभाग की संयुक्त सचिव सुश्री वीना ईश की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

ट्रस्ट-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर ने इस अवसर पर उपस्थित मंत्री महोदय, अन्य गणमान्य व्यक्तियों तथा अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

बाल पुस्तकालय का उद्घाटन

ट्रस्ट के स्थापना दिवस समारोह के एक भाग के रूप में ट्रस्ट-भवन में नवनिर्मित बाल पुस्तकालय का उद्घाटन भी मंत्री महोदय, डॉ. एम.एम. पल्लम राजू द्वारा किया गया। ट्रस्ट के अनुभाग, राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र द्वारा संचालित इस बाल पुस्तकालय में अनेक देशी और विदेशी भाषाओं की बाल पुस्तकें बड़ी संख्या में हैं। डॉ. पल्लम राजू ने अभिनव और अनोखे डिजाइन में नवनिर्मित इस बाल पुस्तकालय की स्थापना के लिए ट्रस्ट की भूरि-भूरि प्रशंसा की और आशा व्यक्त की कि यह पुस्तकालय बच्चों एवं बाल साहित्य के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरेगा। उन्होंने अपने संबोधन में देश के सभी भागों में बाल पुस्तकालय के रूप में एक आनंददायक स्थान के सृजन पर बल दिया जो भारतीय संस्कृति और साहित्य की समृद्ध विरासत का एक भाग होने के रूप में बच्चों की सहायता कर सके।

रा.बा.सा.कें. के नवसृजित बाल पुस्तकालय में पुस्तक का अवलोकन करते हुए मंत्री महोदय, साथ में ट्रस्ट-अध्यक्ष श्री सेतुमाधवन एवं ट्रस्ट-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर

कथावाचन सत्र

एनबीटी के नए लोगो के अनावरण से पूर्व ट्रस्ट-भवन के पुस्तक विक्रय केंद्र में एक कथावाचन सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रख्यात बाल साहित्यकारद्वय श्री प्रकाश मनु एवं श्रीमती पारो आनंद ने स्कूली बच्चों को कहानियाँ सुनाईं और उनसे बातचीत की।

इस अवसर पर मंत्री महोदय डॉ. पल्लम राजू ने भी थोड़ी देर बच्चों के बीच बैठकर कथावाचन का आनंद लिया। उनके साथ ट्रस्ट-अध्यक्ष श्री सेतुमाधवन एवं ट्रस्ट-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर भी बैठे। मंत्री महोदय ने नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रम करवाए जाने का आह्वान किया। उन्होंने बच्चों के बीच बैठकर फोटो भी खिंचवाए।

अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए **श्री प्रकाश मनु** ने कहा कि वे अपनी पाठ्यपुस्तकों के अलावा अन्य पुस्तकें भी काफी संख्या में पढ़ा करते थे और पढ़ने की आदत की बदौलत उन्होंने लेखन के क्षेत्र में अपने कौशल को विकसित किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकें हमारे लिए दुनिया का एक झरोखा खोलती हैं, हमें आनंद के साथ ज्ञान उपलब्ध कराती हैं और इसलिए पुस्तकों का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है। **श्रीमती पारो आनंद** ने कहा कि अपने बचपन में वह क्या बनना चाहती थीं यह निश्चित नहीं था लेकिन उन्हें विभिन्न विषयों में ज्ञान और जानकारी चाहिए यह निश्चित था और इसलिए उन्होंने पुस्तकें पढ़नी शुरू की। उन्होंने कहा कि पुस्तकों ने उन्हें रास्ता सुझाया और उन्होंने कहानियाँ लिखनी शुरू कर दी।

कथावाचन सत्र में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे एवं अन्य आगंतुकों ने भाग लिया। ये छात्र दक्षिण दिल्ली के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों से आए थे। मंत्री महोदय ने बच्चों के साथ बातचीत भी की। बाद में सभी बच्चों को ट्रस्ट के अनुभाग, राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र द्वारा प्रकाशित बाल पत्रिका, पाठक मंच बुलेटिन की प्रतियाँ उपहार में दी गईं।

एनबीटी के पुस्तक विक्रय केंद्र में आयोजित कथावाचन सत्र में श्री प्रकाश मनु के कथावाचन का आनंद लेते हुए मंत्री महोदय, साथ में ट्रस्ट-अध्यक्ष श्री सेतुमाधवन एवं निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर

दिल्ली कैंट में पुस्तक प्रदर्शनी

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा दिल्ली कैंट स्थित केंद्रीय विद्यालय नं. 2, एपीएस कॉलोनी में 15 से 20 जुलाई, 2013 की अवधि में एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में केंद्रीय विद्यालय की भी भागीदारी रही। पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन ट्रस्ट-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर एवं केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य डॉ. समर सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

इस प्रदर्शनी में आयोजक विद्यालय के अलावा केंद्रीय विद्यालय नं. 4, दिल्ली कैंट तथा केंद्रीय विद्यालय, टैगोर गार्डन के छात्र-अध्यापन-अभिभावक भी आए। अन्य स्कूलों के छात्रों-अध्यापकों ने एनबीटी से आह्वान किया कि ऐसी प्रदर्शनी उनके विद्यालय में भी लगाएँ।

ट्रस्ट की ओर से सहायक निदेशक (उ.क्षे.का.) श्री करुण कुमार ने इस पुस्तक प्रदर्शनी का समन्वय किया। पुस्तक प्रदर्शनी का पुस्तकप्रेमियों द्वारा अच्छा प्रतिभाव मिला।

'आज के भारत में पुस्तक एवं पठन' विषय पर प्रो. आंद्रे बेतीए का व्याख्यान

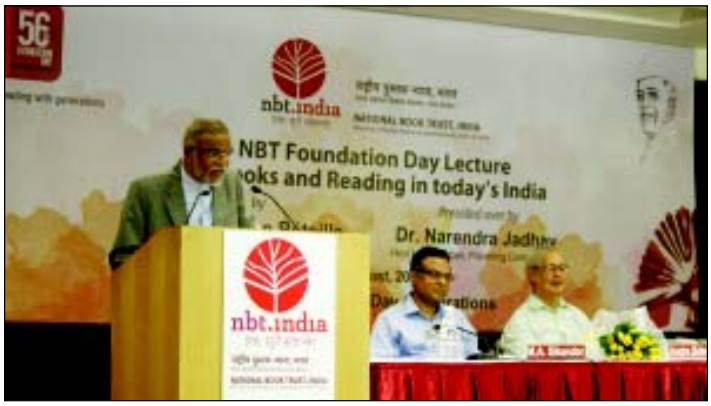

डॉ. नरेंद्र जाधव का संबोधन, साथ में श्री एम.ए. सिकंदर एवं प्रो. आंद्रे

एनबीटी के 56वें स्थापना दिवस के अवसर पर, गत वर्ष प्रारंभ व्याख्यान की दूसरी कड़ी के रूप में इस वर्ष प्रख्यात समाजशास्त्री एवं नेशनल रिसर्च प्रोफेसर, प्रो. आंद्रे बेतीए का व्याख्यान हुआ। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली के मल्टीपर्पस हॉल में आयोजित इस व्याख्यान का विषय था–'आज के भारत में पुस्तक एवं पठन'।

पढ़ने और लिखने के महत्व पर केंद्रित अपने सुदीर्घ किंतु सारगर्भित उद्‌बोधन में प्रो. आंद्रे ने कहा कि पढ़ना और लिखना अवसर के द्वार खोलता है। यह हमारे मस्तिष्क को खोलता है, साथ ही हमें एक बेहतर मनुष्य बनने में मदद करता है। यह हमारे बोलने के तरीके में बदलाव लाता है। प्रो. आंद्रे ने साथ ही यह भी कहा कि यह सब कुछ अचानक नहीं हो सकता, धीरे-धीरे ही हो सकता है, क्योंकि यह (पढ़ना और लिखना) कोई जादू की छड़ी नहीं है।

प्रो. आंद्रे बेतीए का उद्‌बोधन

प्रो. आंद्रे ने आगे कहा, "पढ़ने और लिखने की वजह से संप्रेषण के स्रोत बढ़ गए हैं। जो लिखना-पढ़ना जानते हैं वे विशिष्ट जन होते हैं और इसी कारण से हमारा समाज एक समान नहीं है।" उन्होंने कहा कि हमारे समाज में अंतर अब केवल आय और पेशा का ही नहीं है बल्कि पढ़े-लिखे होने और न होने का भी है। उन्होंने कहा, "पढ़ने और लिखने के कारण हमारी पूरी जनसंख्या दो भागों में बँट गई है–पहला, जिन्होंने पढ़ने और लिखने के कारण लाभों पर एकाधिकार कर रखा है और दूसरा, जिन्हें कोई लाभ नहीं है।"

प्रो आंद्रे ने पुस्तकालयों की चर्चा करते हुए कहा कि ये ऐसी हों जहाँ केवल पुस्तकों का ढेर न हो, बल्कि यहाँ वैसी पुस्तकें हों जो युवा वर्ग को अपनी ओर खींचे, उन्हें आनंद प्रदान करे।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता, योजना आयोग के सदस्य और विद्वान लेखक डॉ. नरेंद्र जाधव ने की। डॉ. जाधव ने अपने संक्षिप्त उद्‌बोधन में प्रो. आंद्रे की अनेक बातों का समर्थन किया।

इससे पूर्व, ट्रस्ट के अध्यक्ष, श्री ए. सेतुमाधवन ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने प्रो. आंद्रे और डॉ. जाधव जैसे दो मूर्धन्य और दिग्गज हस्तियों के एनबीटी के स्थापना दिवस समारोह में भाग लेने पर अपनी खुशी व्यक्त की। ट्रस्ट-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर ने प्रो. आंद्रे के संबोधन को 'ज्ञान और जानकारी बढ़ाने वाला' बताया।

हरियाणा समकालीन कला प्रदर्शनी में एनबीटी

ट्रस्ट-प्रतिनिधि श्री एम.एल. भाटिया मंत्री महोदया सुश्री कुमारी शैलजा से मेमेंटो प्राप्त करते हुए

18 से 21 जुलाई, 2013 की अवधि में पंजाब कला भवन, चंडीगढ़ में तीसरे हरियाणा समकालीन कला प्रदर्शनी में नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया ने भी भाग लिया। इस प्रदर्शनी को केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री सुश्री कुमारी शैलजा ने भी देखा। विदित हो कि इस कला प्रदर्शनी में एनबीटी की कला विषयक पुस्तकों को स्टॉल में प्रदर्शित किया गया था, जिसकी आगंतुक, कलाप्रेमी तथा मंत्री महोदया द्वारा काफी सराहना की गई। विदित हो कि यहाँ कला वस्तुओं के अलावा कला विषयक पुस्तकों की भी प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिनमें एनबीटी समेत अनेक प्रकाशकों ने भाग लिया। ट्रस्ट की ओर से श्री एम.एल. भाटिया, श्री सुरेश कुमार तथा श्री वीरेंद्र प्रसाद ने भाग लिया।

गुजरात में पुस्तक प्रदर्शनियाँ

साहित्य अकादेमी के सहयोग से 26 से 30 जून, 2013 के दौरान गवर्नमेंट डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी, भुज में नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया की पुस्तकों की एक प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्‌घाटन डायरेक्टर ऑफ लाइब्रेरीज, गुजरात सरकार, डॉ. वर्षा मेहता ने किया।

इसके अतिरिक्त, गुजरात में दो और पुस्तक प्रदर्शनियाँ आयोजित की गईं। एक प्रदर्शनी आदीपुर में प्रखंड शिक्षा कार्यालय, आदीपुर के सहयोग से 2 से 4 जुलाई की अवधि में आदीपुर गर्ल्स स्कूल में, जबकि दूसरी प्रदर्शनी श्यामजी कृष्ण वर्मा मेमोरियल ट्रस्ट, मांडवी में 6 से 8 जुलाई की अवधि में आयोजित की गई।

ये तीनों पुस्तक प्रदर्शनी ट्रस्ट के पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आयोजित किए गए। समन्वय प.क्षे.का. की प्रबंधक सुश्री उषा नायर ने किया। इन पुस्तक प्रदर्शनियों का पुस्तकप्रेमियों की ओर से अच्छा प्रतिभाव मिला।

तेहरान अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला

तेहरान अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला 1 से 12 मई, 2013 के दौरान तेहरान के इमाम खामेनेई ग्रैंड प्रेयर हॉल, मोसल्ला ग्राउंड में संपन्न हुआ। नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया ने भारतीय प्रकाशन बिरादरी का इस मेले में दूसरी बार प्रतिनिधित्व किया। एनबीटी को अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों वाले हॉल 'ए' में जगह दी गई थी। आयोजकों द्वारा ट्रस्ट को नाममात्र के किराये पर यह जगह आवंटित की गई।

पुस्तक मेले का उद्घाटन 30 अप्रैल, 2013 को ईरान के राष्ट्रपति माननीय मोहम्मद अहमदीनेजाद एवं संस्कृति मंत्री मोहम्मद होसेनेई ने किया। इस अवसर पर मो. होसेनेई ने कहा कि ''तेहरान पुस्तक मेला ईरान तथा पूरी दुनिया में नवीनतम प्रकाशनों से परिचय का एक अहम अवसर है।'' पुस्तक मेले में इस्लामिक रिवोल्यूशन के नेता अयातुल्लाह सैयद अली खामेनेई भी आए।

तेहरान का वार्षिक अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला विश्व के बड़े और महत्वपूर्ण पुस्तक मेलों में एक है, जहाँ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक अपने-अपने नवीनतम प्रकाशनों के साथ इकट्ठा होते हैं।

तेहरान अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला की कुछ खास बातें इस प्रकार थीं : • पैगंबर मोहम्मद की पुत्री पर 'द लेडी ऑफ लाइट' नाम से पुस्तकों का एक अलग खंड बनाया गया था। • इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशकों के लिए पहली बार पुस्तक मेले का दरवाजा खोला गया था। सौ से अधिक ई-प्रकाशकों ने भाग लिया। • पुस्तक लोकार्पण एवं विशेष बैठकों के डेढ़ सौ से अधिक सत्र आयोजित। • पर्शियन गल्फ पर पुस्तकों के लिए अलग से एक खंड। ईरानी और विदेशी प्रकाशकों के बीच सहयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से एक अलग खंड की स्थापना। • स्कूली बच्चों और यूनिवर्सिटी के छात्रों को 10 से 25% तक पुस्तक खरीद पर छूट दी गई। • छात्रों को 1,500 से 3,000 तोमान (ईरानी मुद्रा) पुस्तक खरीद हेतु दी गई जिससे कि वे अपनी पसंद की पुस्तकें खरीद सकें।

पुस्तक मेले में 2,545 ईरानी तथा 1,600 अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों ने भाग लिया। विदेशी प्रकाशक 77 देशों से आए थे जिनमें शामिल थे–भारत, जर्मनी, सीरिया, सऊदी अरब, ब्रिटेन, लेबनन और अमेरिका आदि। पुस्तक मेला दो खंडों–घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक–में बँटा था। मुद्रास्फीति की बढ़ी दर ने अन्य वस्तुओं के साथ-साथ पुस्तकों पर भी असर डाला जिसकी छाया पुस्तक मेले में देखने को मिली। बावजूद इसके, लगभग 4 लाख पुस्तकप्रेमी प्रति दिन पुस्तक मेला में आए। भारतीय पुस्तकों, खासकर पर्यटन, कूकरी, मसाले, मेहंदी आदि, के प्रति पाठकों-दर्शकों ने खासी रुचि दिखाई। हिंदी कैसे सीखें, शब्दकोश तथा उर्दू एवं पर्शियन के बड़े कवियों पर पुस्तकों की भी अच्छी माँग रही, पर पुस्तकें केवल प्रदर्शनार्थ थीं, विक्रयार्थ नहीं; इससे पुस्तकप्रेमियों को निराशा हुई। पुस्तक मेले में प्रवेश निःशुल्क था।

26वें तेहरान पुस्तक मेला का समापन 12 मई को हुआ। इस अवसर पर ईरान के संस्कृति मंत्री सैयद मोहम्मद होसेनेई मुख्य अतिथि थे। 12 दिनों का यह पुस्तक मेला न केवल साहित्यिक बल्कि सांस्कृतिक परिघटना के रूप में भी याद किया जाएगा। पुस्तक मेले की पूरी अवधि में लगभग 50 लाख पुस्तकप्रेमियों का आना पुस्तक मेले की सफलता की कहानी स्वयं कहती है।

हिंदी और हिंदुस्तान के प्रति ईरानवासियों के लगाव का प्रमाण उनकी कुछ टिप्पणियों से लगाया जा सकता है। एक युवती शकायक ने आगंतुक पुस्तिका में लिखा–'मैं हिंदी पढ़ती हूँ। मैं हिंदी पसंद करती हूँ।' लैला गालेबी ने लिखा–'जिस तरह उर्दू ईरान की यूनिवर्सिटी में पढ़ाई जाती है, हिंदी भाषा भी पढ़ाई जानी चाहिए।' मुर्तजा ईरानी की टिप्पणी थी–'भारतीय और ईरानी अनेक आयामों की दृष्टि से काफी समानता रखते हैं।' नार्निया ने लिखा–'पुस्तकें बेहद अच्छी थीं, रंगीन भी और मजेदार। मुझे बहुत मजा आया।'

इस पुस्तक मेला में एनबीटी का प्रतिनिधित्व ट्रस्ट में प्रबंधक (विक्रय एवं विपणन) श्री सैयद हैदर रिजवी ने किया।

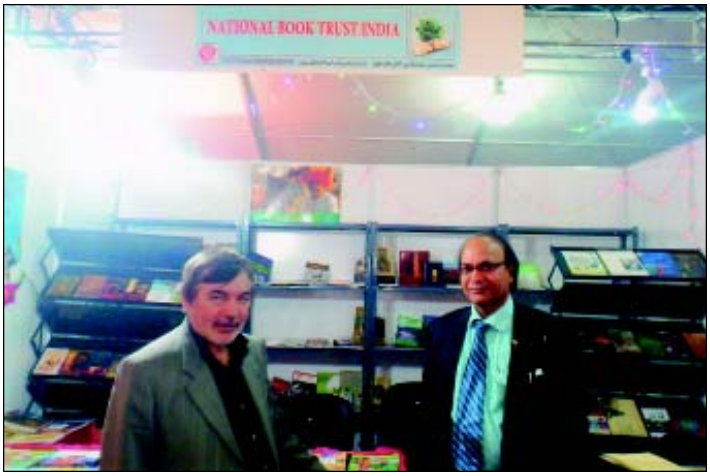

भाग लें

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला

15 से 23 फरवरी, 2014

एवं

नई दिल्ली प्रतिलिप्यधिकार मंच

प्रगति मैदान, नई दिल्ली

सम्मानित अतिथि देश : पोलैंड

www.newdelhiworldbookfair.gov.in

एनबीटी के आगामी पुस्तक मेले

बिलासपुर पुस्तक मेला, छत्तीसगढ़	–	सितंबर, 2013
चेन्नई पुस्तक मेला, तमिलनाडु	–	सितंबर, 2013
भोपाल/इंदौर पुस्तक मेला, मध्य प्रदेश	–	अक्तूबर, 2013
इलाहाबाद पुस्तक मेला, उत्तर प्रदेश	–	अक्तूबर, 2013
बाल पुस्तक मेला, कोचीन/तिरुवनंतपुरम	–	अक्तूबर-नवंबर, 2013
राँची/पटना पुस्तक मेला, बिहार	–	नवंबर, 2013
चंडीगढ़ पुस्तक मेला, केंद्रशासित क्षेत्र	–	दिसंबर, 2013
हैदराबाद पुस्तक मेला, आंध्र प्रदेश	–	दिसंबर, 2013

पुस्तक मेले से संबंधित जानकारी के लिए संपर्क करें :

उप-निदेशक (प्रदर्शनी)

दूरभाष : 011-26707700/26707778

नई दिल्ली में 'द फ्यूचर ऑफ इंडियन एग्रीकल्चर' पुस्तक का उपराष्ट्रपति द्वारा लोकार्पण

''कुल उच्च सकल घरेलू उत्पाद दर प्राप्त करने, खाद्य पदार्थों की बढ़ती माँग को पूरा करने व हमारी विकास प्रक्रिया में समग्रता सुनिश्चित करने के लिए कृषि उत्पादन के विकास में तेजी लाना आवश्यक है।'' ये शब्द भारत के माननीय उपराष्ट्रपति, श्री हामिद अंसारी ने 5 जुलाई, 2013 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा आयोजित पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम में *द फ्यूचर ऑफ इंडियन एग्रीकल्चर* शीर्षक पुस्तक का लोकार्पण करते हुए कहे।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री, माननीय श्री जयराम रमेश ने कहा, ''इस छोटी-सी पुस्तक में प्रो. के. अलघ ने अपने अनुसंधान व विद्वता के चार दशक प्रस्तुत किए हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि ''हमारे आर्थिक विकास कार्यक्रम का महत्वपूर्ण पहलू कृषि की केंद्रीयता है और यही इस पुस्तक का मुख्य संदेश है।''

इस अवसर पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए डॉ. योगेंद्र अलघ ने भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के संदर्भ में इसके संसाधनों पर चर्चा की। एनबीटी के निदेशक, श्री एम.ए. सिकंदर ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि सामाजिक विज्ञान की पुस्तकों के बढ़ते महत्व ने एनबीटी के प्रकाशन कार्यक्रम में इन पुस्तकों के प्रकाशन के कार्य को मजबूत बना दिया है।

यह पुस्तक कृषि क्षेत्र में बढ़ती माँग के आकलन के साथ-साथ, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में विशिष्ट एवं तेजी से बदलती खाद्य आवश्यकताओं पर चर्चा करती है। यह पुस्तक मुद्रास्फीति, गरीबी व खाद्य-सुरक्षा जैसी समस्याओं हेतु समाधान प्रस्तुत करती है।

प्रो. योगेंद्र के. अलघ गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के चांसलर व 'आर्थिक एवं सामाजिक अनुसंधान, सरदार पटेल संस्थान' के सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं। ये 'भारतीय योजना आयोग' के सदस्य एवं 'कृषि मूल्य आयोग' के अध्यक्ष भी हैं। प्रो. के. अलघ व्यापक रूप से प्रकाशित एक सौ से अधिक शोध पत्रों एवं छह पुस्तकों के लेखक हैं।

इंडोनेशियाई संसदीय प्रतिनिधिमंडल का एनबीटी दौरा

इंडोनेशियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ श्री एम.ए. सिकंदर एवं श्रीमती फरीदा एम. नाईक

16 जुलाई, 2013 को इंडोनेशिया गणराज्य की संसद के एक प्रतिनिधिमंडल (शिक्षा, संस्कृति एवं पर्यटन, युवा एवं खेल व पुस्तकालय मामलों पर समिति) ने नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया का दौरा किया। नेहरू भवन, एनबीटी, इंडिया, नई दिल्ली में प्रतिनिधिमंडल का स्वागत एनबीटी के निदेशक, श्री एम.ए. सिकंदर तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय में पुस्तक प्रकाशन के निदेशक, श्री जी.आर. राघवेंद्र ने किया।

इस अवसर पर एनबीटी के निदेशक, श्री एम.ए. सिकंदर ने भारतीय प्रकाशन उद्योग तथा पिछले 56 वर्षों से देश में पुस्तक प्रकाशन एवं पुस्तक प्रोन्नयन के क्षेत्र में नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया की अहम भूमिका को स्पष्ट करते हुए विस्तारपूर्वक जानकारी दी। ट्रस्ट-निदेशक श्री सिकंदर ने कहा, ''भारत, विश्व में तीसरा सबसे बड़ा अँग्रेजी भाषा प्रकाशन उद्योग है तथा भारत द्वारा एक वर्ष में एक लाख पुस्तकों का उत्पादन किया जाता है। प्रकाशन उद्योग बहुत ही जीवंत उद्योग है जो बहुत ही तीव्र गति से बढ़ रहा है।''

पठन-प्रवृत्ति को बढ़ावा देने व गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें उचित मूल्यों पर उपलब्ध कराने के लिए इंडोनेशियाई समिति ने भारतीय सरकार के प्रयासों एवं प्रतिबद्धता की सराहना की।

श्री सिकंदर एवं एनबीटी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इंडोनेशियाई हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के उपाध्यक्ष एवं संसदीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख मि. द्रस उतुत अदिअंतो ने कहा, ''भारत आने का हमारा उद्देश्य इस देश में पुस्तक प्रकाशन के कानून पर विचार-विमर्श करना था और इसलिए हमने पुस्तकों के बारे में जानने के लिए नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया का चुनाव किया। हम भारतीय अनुभव, विशेषकर एनबीटी मॉडल पर आधारित पुस्तक प्रकाशन एवं पुस्तकोन्नयन के क्षेत्र में एक उपयुक्त विधान को सूत्रबद्ध करना चाहते हैं।''

प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों में शामिल थे—श्री डियाज ग्विजांग्गे, श्री एच. नुरुल कोमर, श्री द्रा. एच. हरबिआह सलाहुद्दीन, श्रीमती द्रा. एच. पोपोंग आत्जे जुनजुनान, श्री रसल युनुस, श्री एम. गुरुह, द्रास इब्राहिम सक्त्य बतुबारा, श्री द्रास हिसयाम अली, श्री द्रास एच. मुच्तार अम्मा, श्री बेन्नी अलम्सयाह, श्री मुहम्मद सतोरी, श्रीमती हेन्नी लिस्तयोवति, श्री खैरुद्दीन सिरेगर, सुश्री नोवियान्ती नूरमाला एवं श्री इदी वार्दोयो।

बैठक का समापन ट्रस्ट-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इससे पूर्व, इस प्रतिनिधिमंडल ने ट्रस्ट के विभिन्न विभागों को देखा। एनबीटी के पुस्तक विक्रय केंद्र को देखकर अतिथि प्रतिनिधिगण बेहद प्रसन्न हुए, साथ ही, राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र के नवनिर्मित बाल पुस्तकालय ने भी उन्हें काफी आनंदित किया।

पुस्तक परिचय

कहीं कोई दरवाजा (काव्य संग्रह)
अशोक वाजपेयी; पृ. 108 ₹ 250
राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-02
वरिष्ठ कवि की आधी सदी की सुदीर्घ कविता यात्रा का 14वाँ पड़ाव है यह कविता पुस्तक। सन् 2009 से 2012 के दौर में लिखी गई अधिकांश कविताएँ फ्रांस-प्रवास की देन हैं। कविताएँ जहाँ नाउम्मीदी के अँधेरे में सैर करती हैं वहीं उम्मीद का दामन भी पकड़े रहती हैं। कहीं कोई दरवाजा खुलेगा यह उम्मीद बड़ी शिद्दत से उभरी है यहाँ।

मुहाफ़िज़ (उपन्यास)
विजय; पृ. 184 ₹ 290
आर्य प्रकाशन मंडल, IX/221, सरस्वती भंडार, गाँधीनगर, दिल्ली-31
उपन्यास में सच है, सपना है, कल्पना है—एक कोलाज-सा है यह उपन्यास, जिसमें माओवाद है, जनजातियों का शोषण है, जात-पात के नाम पर होने वाली नाइंसाफियाँ हैं, वेश्या होने की व्यथा और प्यार-मुहब्बत के किस्से भी।

पहला संपादकीय (पत्रकारिता)
विजयदत्त श्रीधर; पृ. 208 ₹ 300
सामयिक प्रकाशन, 3320-21, जटवाड़ा, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-02
प्रस्तुत पुस्तक में सन् 1826 से 2004 के बीच की अवधि के 20 अग्रलेखों का संचयन है। दो अग्रलेख हिंदी पत्रकारिता के उद्भव काल के हैं—उदन्त मार्त्तण्ड और बंगदूत। पत्रकारिता के प्रति रुचि रखने वालों के लिए एक संग्रहणीय पुस्तक।

ज़िंदगी का ज़ायक़ा (ग़ज़ल संग्रह)
सादिक़; पृ. 112 ₹ 180
अमरसत्य प्रकाशन, 109, ब्लॉक-बी, प्रीत विहार, दिल्ली-92
जो बातें न कविता में कही जा सकती, न कहानी-उपन्यासों में, उन्हें ग़ज़लों में बड़ी आसानी से कह दी जाती है, बशर्ते 'कहनकार' के पास कहने का सलीका हो। सादिक़ की ग़ज़लों को पढ़कर यह सुकून मिलता है कि हमारे ही मन की बात कही गई है।

भारत में नाट्य विकास; *ओम जोशी;* पृ. 160 ₹ 250
साहित्यागार, 958, धामाणी मार्केट की गली, चौड़ा रास्ता, जयपुर-302003
प्रस्तुत पुस्तक में भारत में नाट्य विकास का अध्ययन नाट्यशास्त्र सहित शास्त्रीय रंगमंच, पारंपरिक रंगमंच, आधुनिक रंगमंच एवं कठपुतली कला आदि खंडों में किया गया है। रंगमंच कला पर पर्याप्त जानकारी है इसमें।

ढाई आखर प्रेम के (कहानी संग्रह)
रश्मि मल्होत्रा; पृ. 128 ₹ 200
श्री नटराज प्रकाशन, ए-507/12, करतार नगर, बाबा श्यामगिरी मार्ग, साउथ गांवड़ी एक्सटेंशन, दिल्ली-53
सैंतालिस कहानियों का संग्रह। संस्मरणों को छोटी-छोटी कहानियों में पिरोकर कहने की कला में सिद्धहस्त हैं कथाकार। इन कहानियों के हर कोने-अंतरे में झाँकें तो जिंदगी साँस लेती हुई-सी मिलेगी।

लम्हा लम्हा (काव्य संग्रह)
दीप्ति नवल; पृ. 68 ₹ 150
हिंदी बुक सेंटर, 4/5-बी, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-02
प्रख्यात सिने अभिनेत्री दीप्ति नवल एक भावुक हृदय शायरा और नज़्मकारा भी हैं। अपनी जिंदगी के खट्टे-मीठे तजुर्बों की सारी रसीदें इकट्ठी कर उन्होंने इस किताब में दर्ज की हैं। एक पठनीय संग्रह।

करीब से : मंच और फिल्मी पर्दे से जुड़ी यादें (आत्मकथा)
जोहरा सहगल, अनु. : दीपा पाठक; पृ. 244 ₹ 495
राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-02
रंगमंच और सिनेमा की बेहतरीन अदाकारा, जोहरा सहगल ने अपने जीवन और कर्म को कलमबद्ध किया है इस आत्मकथा में। इस पुस्तक को पढ़ना लगभग 75 वर्षों की भारतीय रंगमंच और सिनेमा से होकर गुजरना भी है।

इन दिनों रोशनी भीतर में बजती है (काव्य संग्रह)
रंजना श्रीवास्तव; पृ. 144 ₹ 250
इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, के-71, कृष्णा नगर, दिल्ली-51
कविता लिखना और अनुभूतियों से गुजरकर शब्दों का कविता में ढल जाना दो अलग-अलग चीजें हैं। रंजना के यहाँ दूसरी बात हुई है। अनायास कही गई बातों में न विलाप है, न संलाप, न प्रलाप—सिर्फ वैसे शब्दों का संगुंफन है जिसे हम 'कविता' का नाम दे देते हैं।

पहली गुस्ताखी (काव्य संग्रह)
रमेश दत्त शर्मा; पृ. 120 ₹ 190
आर्य प्रकाशन मंडल, IX/221, सरस्वती भंडार, गाँधीनगर, दिल्ली-31
अपने परिवेश और पर्यावरण की चिंता यहाँ सब जगह दीखती है। कवि की ग़ज़लनुमा कविताओं में अनगढ़पन है तो साथ ही माटी का सोंधापन भी। अपने पास-पड़ोस-परिवेश की अनेक विडंबनाएँ संगुंफित हैं यहाँ।

रेखाओं के पार (कहानी संग्रह)
डॉ. अपर्णा चतुर्वेदी 'प्रीता'
पृ. 122 ₹ 150
प्रीता प्रकाशन, ए-511, सिद्धार्थ नगर, जवाहर सर्किल गार्डन के पास, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302017
बारह कहानियों का संग्रह। ये कहानियाँ हमारे भावों के स्पर्शों का ऐसा कैनवस हैं जहाँ इनसान की परख उसकी सोच, परिवेश और व्यवहार से उभरती है।

सुनयना (उपन्यास)
अरविंद कौर
पृ. 96 ₹ 150
श्री प्रकाशन, ए-402, विद्युत अपार्टमेंट, 81 इन्द्रप्रस्थ एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92
जीवन के कितने ही उतार-चढ़ाव, ऊहापोह, कशमकश—उपन्यास की नायिका सुनयना के जीवन के सुख-दुख से भरे तमाम पलों का एक सुंदर-सा कोलाज है यह उपन्यास।

मंदसौर में सचल पुस्तक प्रदर्शनी

मध्य प्रदेश के मंदसौर जिलांतर्गत श्यामगढ़, सुवास्रा में 22 जुलाई, 2013 को एनबीटी के सचल पुस्तक प्रदर्शनी को संसद सदस्य सुश्री मीनाक्षी नटराजन द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। समारोह का आयोजन श्यामगढ़, सुवास्रा में किया गया। समारोह में स्थानीय गणमान्य लोगों के अलावा बड़ी संख्या में आम जनता उपस्थित थी।

अपने संबोधन में सुश्री नटराजन ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा इसके अधीन संचालित नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया तथा इनकी गतिविधियों के बारे में अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि सचल पुस्तक प्रदर्शनियों के माध्यम से ग्रामीण अंचलों तथा शहरों में लोगों के बीच पुस्तकों के प्रति जागरूकता एवं पठन आदत को बढ़ावा देने की यह परियोजना अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने इस परियोजना की सफलता की कामना की। तत्पश्चात, ट्रस्ट की ओर से इस प्रदर्शनी के प्रभारी, ट्रस्ट में सहायक निदेशक (प्रदर्शनी), श्री दीपांकर गुप्ता ने एनबीटी द्वारा आयोजित सचल पुस्तक प्रदर्शनियों तथा ट्रस्ट की अन्यान्य गतिविधियों की जानकारी दी। श्री गुप्ता ने संसद सदस्य महोदया सुश्री मीनाक्षी नटराजन को इस कार्यक्रम में पधारने के लिए धन्यवाद दिया तथा उन्हें एनबीटी का स्मरणचिह्न (मेमेंटो) प्रदान किया।

कार्यक्रम-समापन के बाद इस सचल पुस्तक प्रदर्शनी को स्थानीय लोगों के सुझाव और माँग पर पास के गाँव के लिए रवाना किया गया। बाद में यह प्रदर्शनी आस-पास के अन्य गाँवों में भी गई। इस पुस्तक प्रदर्शनी को पुस्तकप्रेमियों का अच्छा प्रतिभाव मिला।

मुरैना जिला, मध्य प्रदेश में शिक्षा शिविर का आयोजन

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के अम्भा तथा पोरसा में क्रमशः 11 एवं 12 जुलाई, 2013 को नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा शिक्षा शिविर का आयोजन किया गया।

अम्भा में शिक्षा शिविर का उद्घाटन सरकारी कन्या उत्कर्ष महाविद्यालय में अम्भा के प्रखंड शिक्षा अधिकारी श्री बदम सिंह तोमर ने किया। उन्होंने ऐसे आयोजन के लिए एनबीटी की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह का आयोजन पहली बार यहाँ हुआ है। उन्होंने प्रत्येक वर्ष अम्भा में पुस्तक प्रदर्शनी लगाए जाने की इच्छा व्यक्त की। विदित हो कि ट्रस्ट द्वारा शिक्षा शिविर के आयोजन के एक भाग के रूप में ट्रस्ट द्वारा संचालित सचल पुस्तक वाहन में पुस्तक प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। शिविर में लगभग 300 बच्चे आए। प्रत्येक छात्र को ट्रस्ट की एक-एक पुस्तक उपहार में दी गई।

पोरसा में आयोजित शिक्षा शिविर का उद्घाटन सरकारी कन्या उत्कर्ष महाविद्यालय में मुख्य शिक्षा अधिकारी श्री अनुरुद्ध शर्मा ने किया। अपने संबोधन में वे पुस्तकों के महत्व पर बोले। उन्होंने कहा कि पुस्तक पठन की आदत बच्चों का भविष्य बनाती है और उनमें अच्छे मूल्यों का विकास करती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को पुस्तकें अवश्य पढ़नी चाहिए। उन्होंने पुस्तक पठन के प्रति ट्रस्ट के प्रयासों की भी प्रशंसा की। उन्होंने नियमित रूप से ऐसे आयोजन पर बल दिया। यहाँ भी ट्रस्ट के सचल पुस्तक वाहन में पुस्तक प्रदर्शनी लगी थी।

कन्या माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत नृत्य तथा कविता एवं गीतों की संगीतमय प्रस्तुति हुई। बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

शिक्षा शिविर में 200 से अधिक विद्यार्थी तथा आँगनवाड़ी के 20 बच्चे उपस्थित हुए। प्रत्येक बच्चे को ट्रस्ट की पुस्तक उपहार में दी गई।

इस आयोजन में ट्रस्ट की ओर से डॉ. दीपांकर गुप्ता, सहायक निदेशक (प्रदर्शनी), श्रीमती मधु गुप्ता, उप निदेशक (लागत एवं वित्त) तथा श्रीमती सुनीता नरोत्रा, सहायक ने भाग लिया।

पाठक मंच बुलेटिन

बच्चों की द्विभाषी पत्रिका

वार्षिक शुल्क : ₹ 50.00

संपर्क करें : **संपादक, राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र**

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया

नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II

वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070

दिल्ली में एन.बी.टी का अन्य पुस्तक विक्रय केंद्र

4/5 बी, आसफ अली रोड

(निकट डिलाइट सिनेमा)

नई दिल्ली-110 002

R.N.I. No. 64445/96
Postal Regd. No. DL (SW) 1/4077/2012-14
Licence to post without prepayment
L. No. U(SW) 23/2012-14
Mailing date 15/16 same month
Date of publication 08/08/2013

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया का नया प्रतीक चिह्न

nbt.india
एकः सूते सकलम्

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, अहमदाबाद द्वारा डिज़ाइन किया गया नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया का यह प्रतीक चिह्न परंपरा एवं नवीनता, कल्पना एवं वास्तविकता के सामंजस्य का प्रतीक है।

बरगद का यह वृक्ष दृढ़ता एवं ज्ञान का प्रतीक है जो एक खुली पुस्तक के उड़ान भरते पत्तों रूपी पृष्ठों के समकालीन दृश्य के माध्यम से प्रकट होता है। लाल के साथ मटियाले रंग का संयोजन भारतीय संस्कृति के साथ ही ज्ञान की उत्कट जिज्ञासा को भी चित्रांकित करता है।

'nbt.india' को प्रस्तुत करने की यह अनोखी शैली भावी पाठकों को तैयार करने के लिए वचनबद्ध इस संगठन की आधुनिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 'बोल्ड स्लेब सेरिफ' फौंट पर आधारित इसकी मुद्रण कला इस विचार को एक मज़बूत आधार प्रदान करती है।

कालिदास के *मेघदूतम्* से उद्धृत आदर्श वाक्य, 'एकः सूते सकलम्' पुस्तकों की दुनिया में वांछित हर संभव प्रयास को पूर्ण करने के एनबीटी के उद्देश्य को प्रकट करता है।

चिट्ठीघर

देखा **संवाद**, पहली बार। बहुत अच्छा लगा। मन को प्रफुल्लित कर गया। सिओल पुस्तक मेला की चित्रमय रपट बार-बार पढ़ी। सारगर्भित, अत्यंत सुंदर, व्यवस्थित समाचार, अच्छा कागज, स्पष्ट छपाई आप सबके कौशल एवं श्रम की सुखद फलश्रुति है। आप अपने कार्य के साथ पूरा न्याय कर रहे हैं। संवाद पढ़कर दिल को सुकून मिलता है। **रेखा चौरसिया,** सतना, म.प्र.

संवाद का पाठकों व पुस्तकप्रेमियों से संवाद-अदायगी का ढंग व प्रकार अत्यंत आकर्षक है। दरअसल, मुझ जैसे जो लोग पुस्तकों में ही जीवन सार, सुख, चैन, खुशी व आनंद तलाशते हैं उनके लिए आपका यह पत्र एक वरदान है।

प्रो. शरद नारायण खरे, मंडला, म.प्र.

संवाद का जुलाई अंक। सिओल पुस्तक मेले में भारत के अतिथि देश होने समेत विस्तृत रपट से काफी जानकारी मिली। आंध्र प्रदेश तथा पंजाब आदि के कार्यक्रमों की रपट भी सूचनापरक, ज्ञानवर्धक और उपादेय रही।

प्रो. शामलाल कौशल, रोहतक, हरियाणा

संवाद से संवाद कर मन हर्ष से गद्‌गद हुआ
ज्ञान की संवृद्धि से मतिमान हो गद्‌गद हुआ
एनबीटी की गतिशीलता हिंदी की संवर्धक बनी
इससे समृद्धि राष्ट्र की, संस्था ये आराध्य बनी
मेले लगाकर पुस्तकों के, बाँटे जो ज्ञान का पिटारा
ऐसा है नेशनल बुक ट्रस्ट, जानता संसार सारा। **डॉ. रामसुमेर यादव,** लखनऊ, उ.प्र.

नेशनल बुक ट्रस्ट *संवाद* भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन संचालित स्वायत्त संगठन, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया का मुख पत्र है।

इस पत्रिका के आलेखों में व्यक्त विचारों से ट्रस्ट की सहमति का होना आवश्यक नहीं है।

संपादक : **बलदेव सिंह 'बद्दन'**
कार्यकारी संपादक : **दीपक कुमार गुप्ता**
उत्पादन अधिकारी : **नरेन्द्र कुमार**

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070
ई-मेलः office.nbt@nic.in
वेबसाइट : www.nbtindia.gov.in

पाठकों से अनुरोध है कि वे **नेशनल बुक ट्रस्ट *संवाद*** के बारे में अपने विचार संपादक को लिखें।

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया की ओर से सतीश कुमार द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा पुष्पक प्रेस प्रा.लि., 203-204, डी.एस.आई.डी.सी. शेड, फेज-I, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित और नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 से प्रकाशित। संपादक बलदेव सिंह 'बद्दन'।

एस.एस. इंटरप्राइजेज, प्रथम तल, जी.जी.-1/36बी, विकासपुरी, नई दिल्ली-110018 से टाइपसेट।

भारत सरकार सेवार्थ

डाक वापसी की दशा में कृपया इस पते पर वापस करें :
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070